बेन फ्रैंकलिन की पहली पतंग

स्टीफन क्रेंस्की

चित्र: बर्ट डोडसन



बेन फ्रैंकलिन
की पहली पतंग



दस वर्षीय बेंजामिन फ्रैंकलिन अपने पिता की मोमबत्ती की दुकान में कड़ी मेहनत कर रहा था.

उसने मोमबत्तियों की बीच की बत्ती काटीं.

फिर उसने बड़े ध्यान से प्रत्येक को रखा.



बेन ने फिर अपने हाथ फैलाए और जम्हाई ली.

मोमबत्तियां लंबी या छोटी, मोटी या पतली और वो अलग-अलग रंग की भी हो सकती थीं.

लेकिन बेन को मोमबत्तियों में कुछ खास मज़ा नहीं आता था.



"आपको क्या लगता है - आज हमारा काम कब ख़त्म होगा?" बेन ने अपने पिता से पूछा.

"जल्द ही," उसके पिता ने उत्तर दिया.

"क्यों? क्या तुम आज कुछ ख़ास करने की सोच रहे हो?" बेन के पिता मुस्कुराए.

वो वास्तव में एक दुर्लभ दिन होता, जब बेन के मन में कोई योजना नहीं होती.



"हाँ," बेन ने कहा.

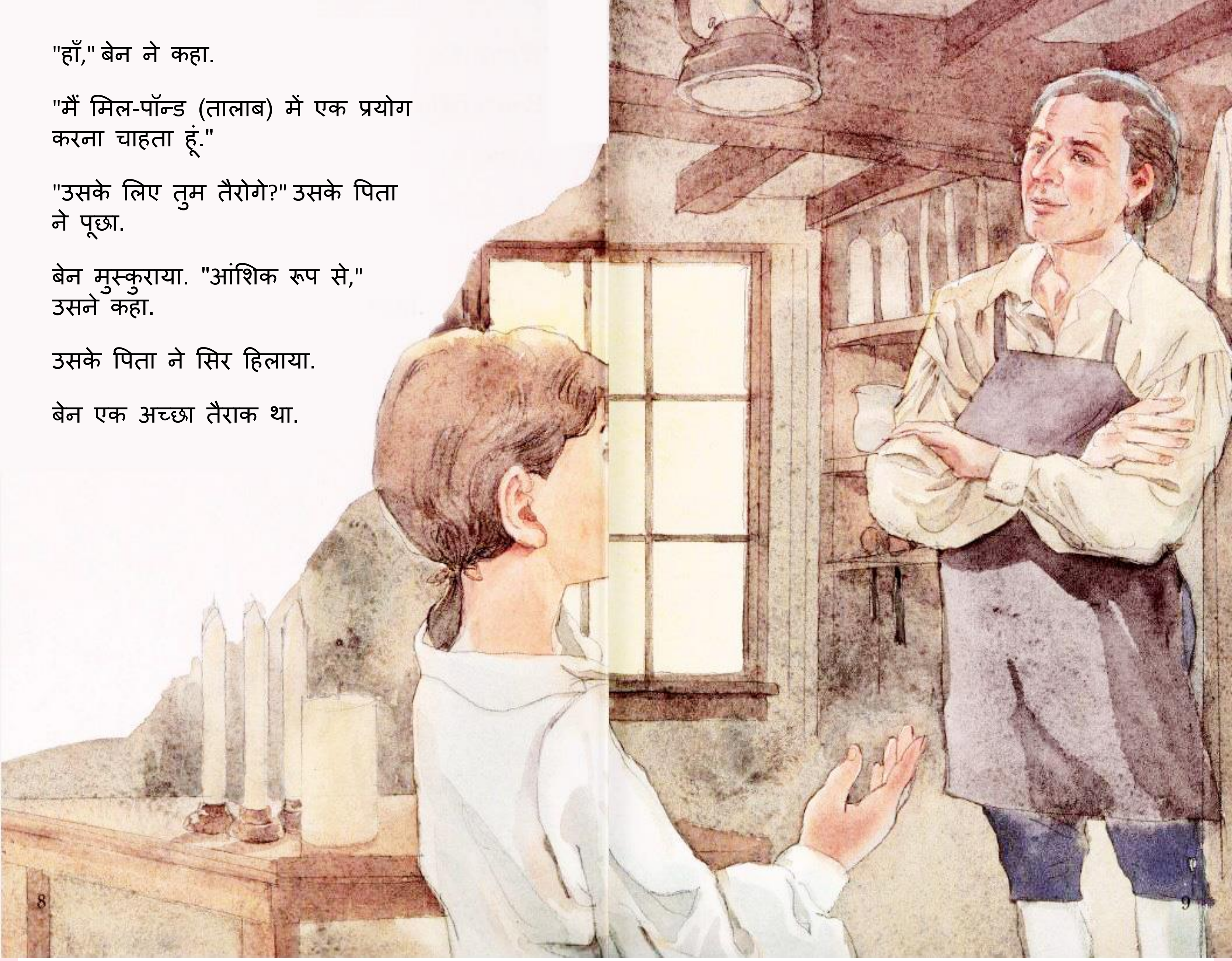
"मैं मिल-पॉन्ड (तालाब) में एक प्रयोग करना चाहता हूं."

"उसके लिए तुम तैरोगे?" उसके पिता ने पूछा.

बेन मुस्कुराया. "आंशिक रूप से," उसने कहा.

उसके पिता ने सिर हिलाया.

बेन एक अच्छा तैराक था.



उस दोपहर बेन बोस्टन की सड़कों पर तेज़ी से दौड़ा.

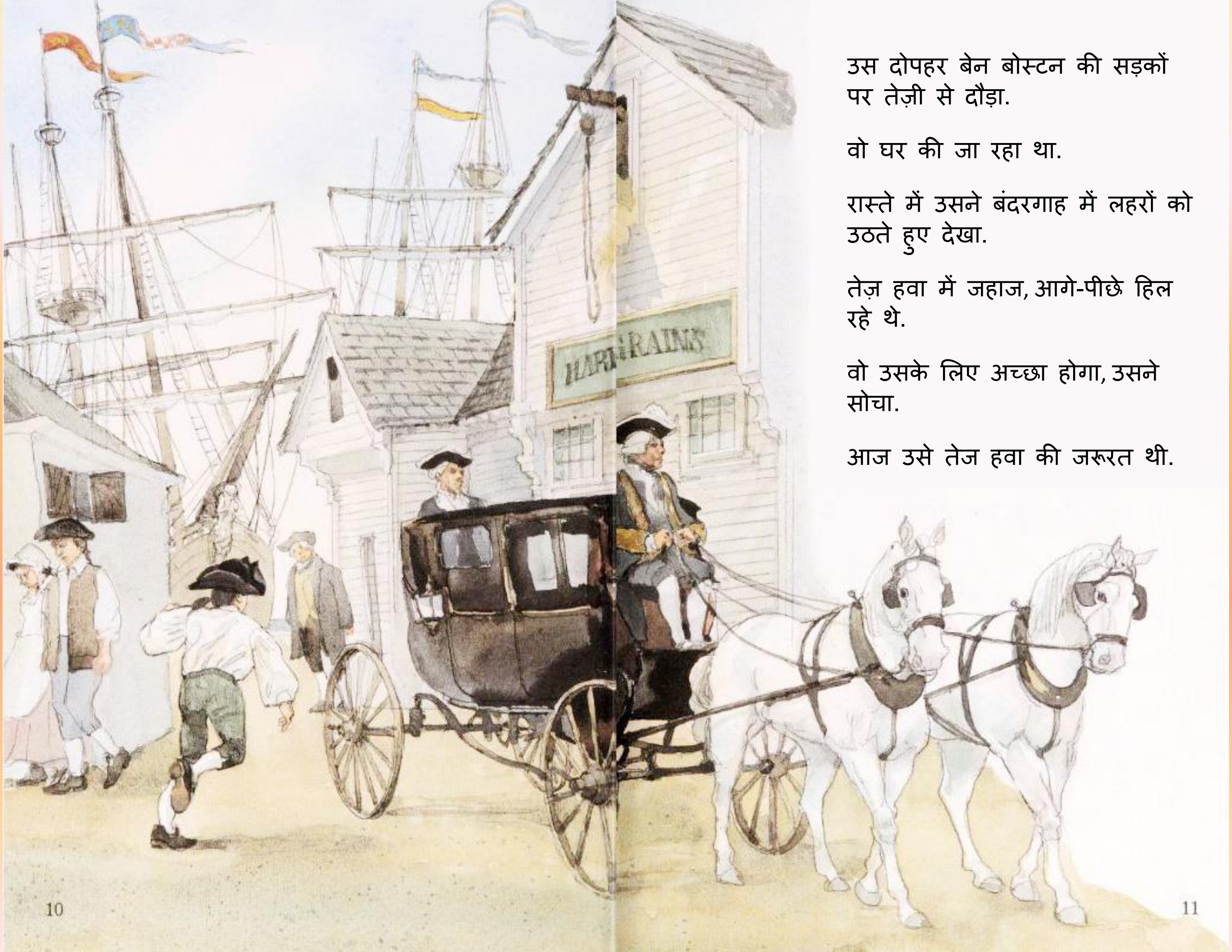
वो घर की जा रहा था.

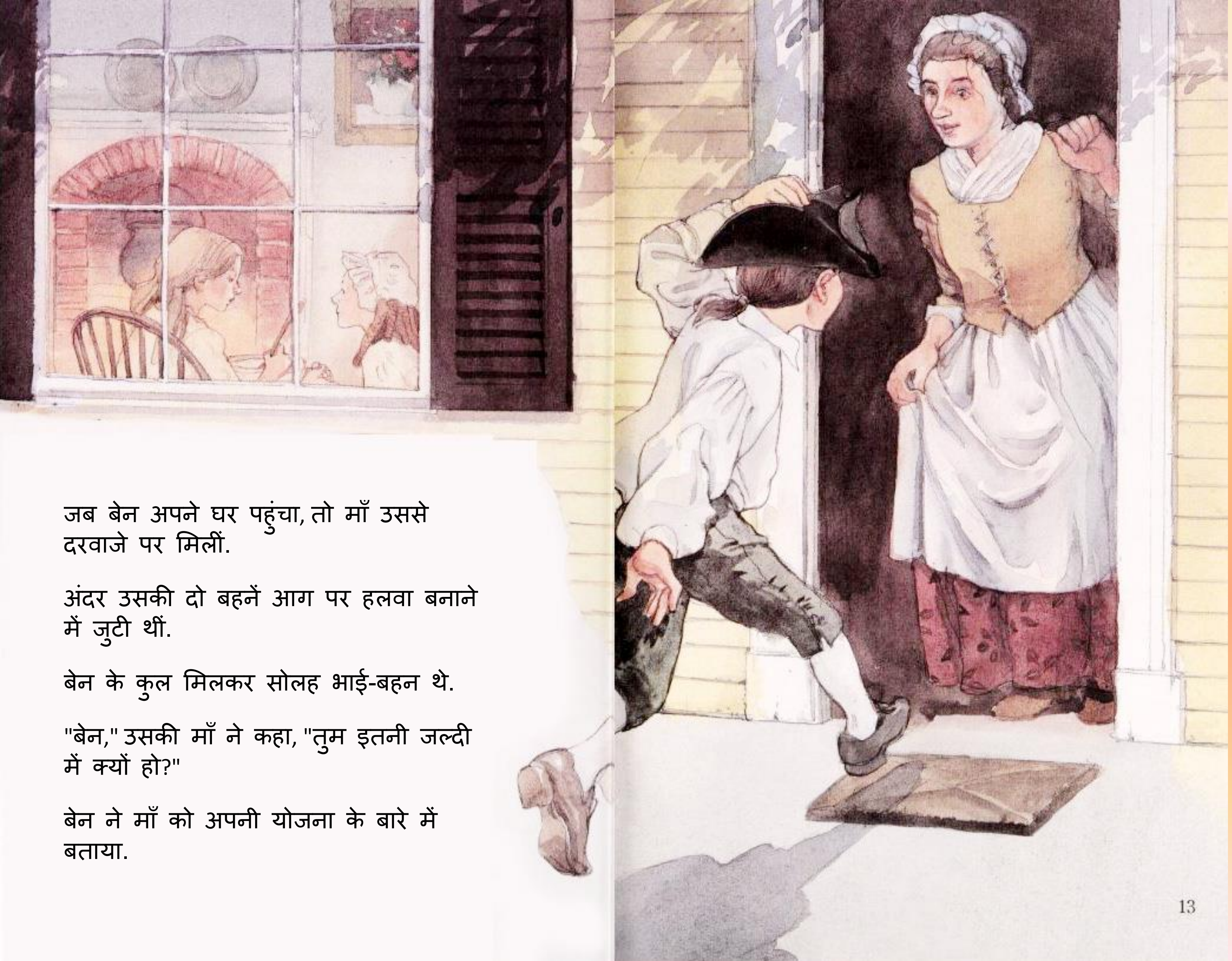
रास्ते में उसने बंदरगाह में लहरों को उठते हुए देखा.

तेज़ हवा में जहाज, आगे-पीछे हिल रहे थे.

वो उसके लिए अच्छा होगा, उसने सोचा.

आज उसे तेज हवा की जरूरत थी.





जब बेन अपने घर पहुंचा, तो माँ उससे दरवाजे पर मिलीं.

अंदर उसकी दो बहनें आग पर हलवा बनाने में जुटी थीं.

बेन के कुल मिलकर सोलह भाई-बहन थे.

"बेन," उसकी माँ ने कहा, "तुम इतनी जल्दी में क्यों हो?"

बेन ने माँ को अपनी योजना के बारे में बताया.

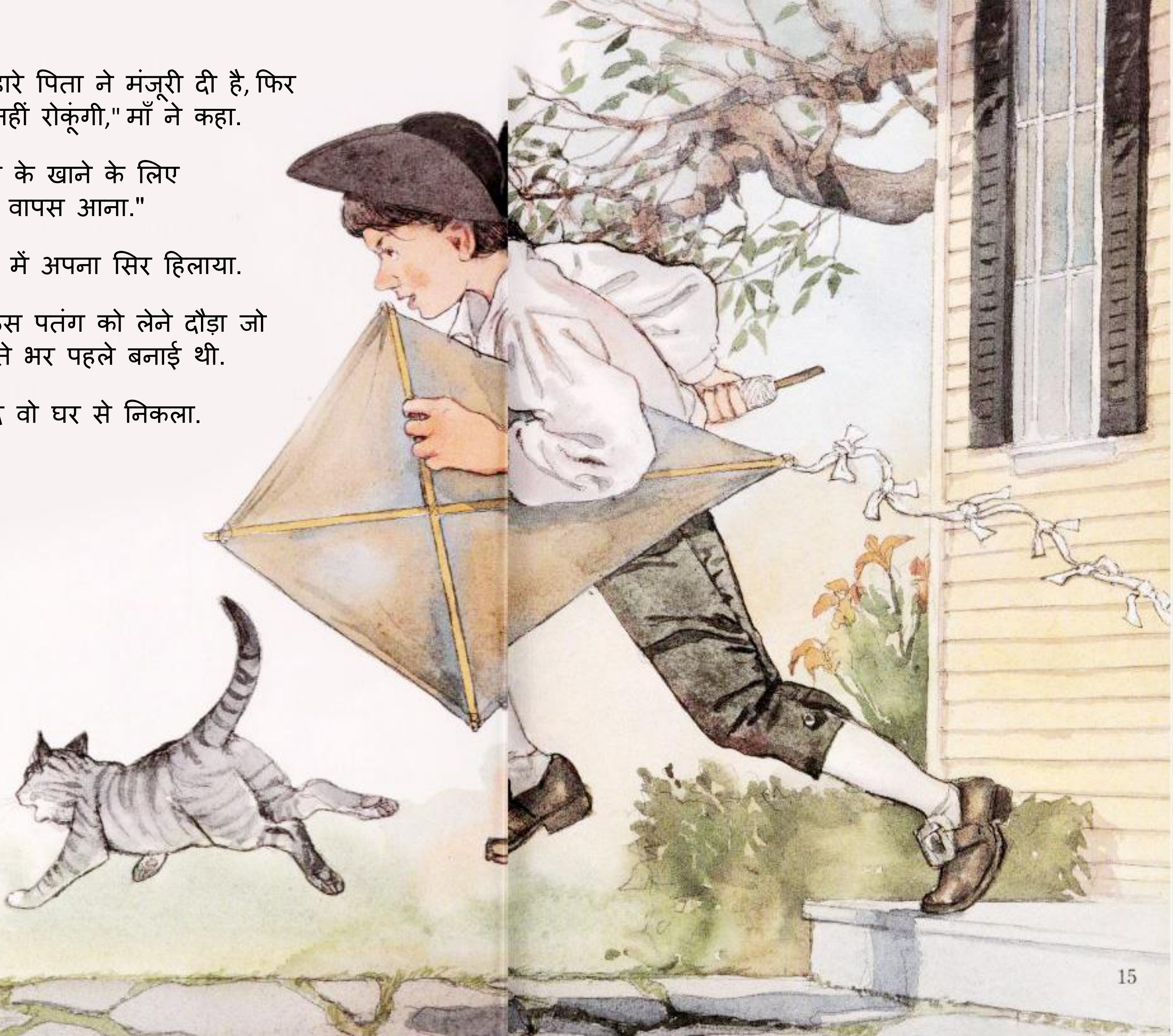
"जब तुम्हारे पिता ने मंजूरी दी है, फिर मैं तुम्हें नहीं रोकूंगी," माँ ने कहा.

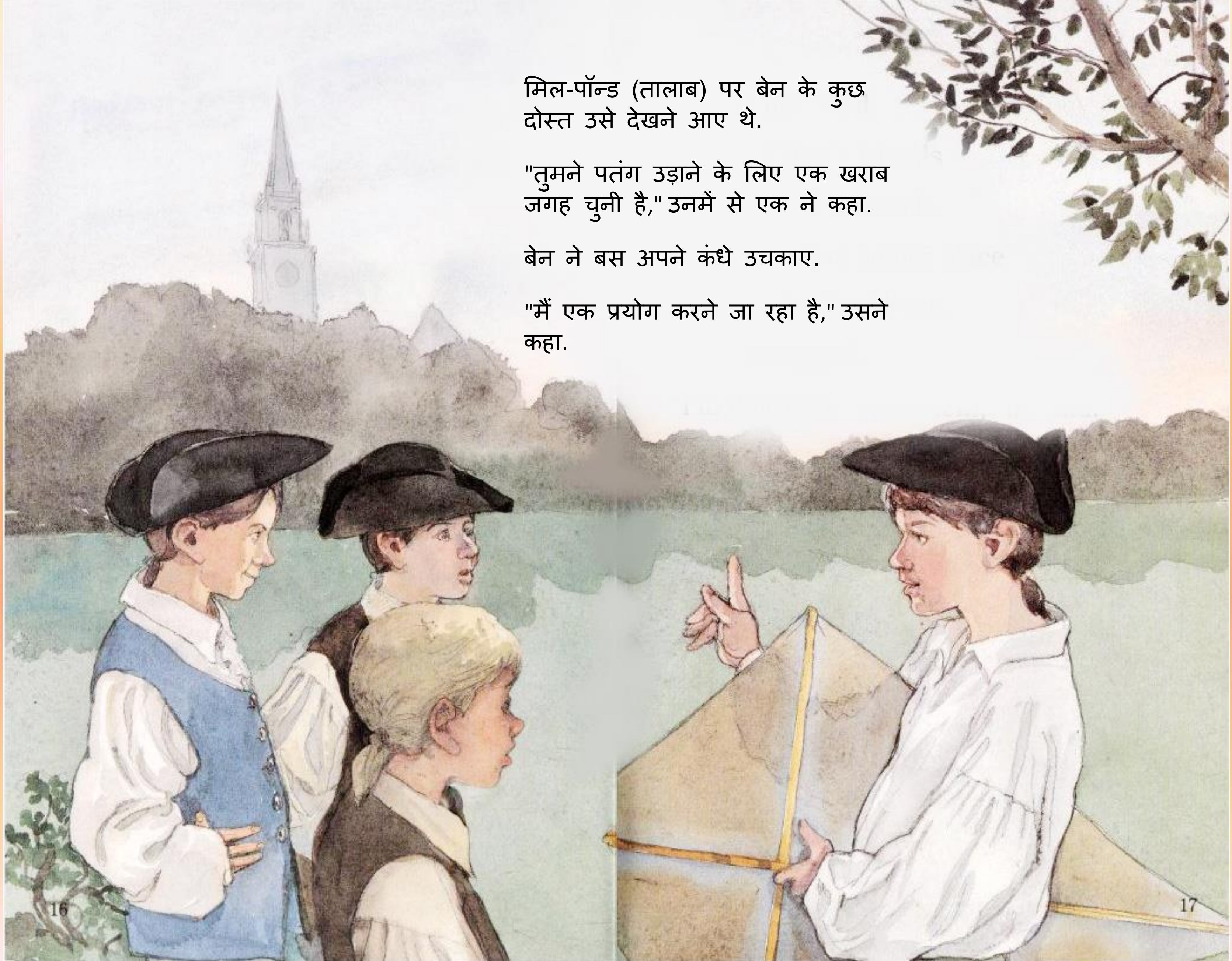
"देखो, रात के खाने के लिए समय पर वापस आना."

बेन ने हाँ में अपना सिर हिलाया.

फिर वो उस पतंग को लेने दौड़ा जो उसने हफ्ते भर पहले बनाई थी.

उसके बाद वो घर से निकला.





मिल-पॉन्ड (तालाब) पर बेन के कुछ दोस्त उसे देखने आए थे.

"तुमने पतंग उड़ाने के लिए एक खराब जगह चुनी है," उनमें से एक ने कहा.

बेन ने बस अपने कंधे उचकाए.

"मैं एक प्रयोग करने जा रहा है," उसने कहा.

बेन ने अपने कपड़े उतारे.

उसने अपने कपड़े एक दोस्त को थमा दिए.

"कृपया इन्हें तालाब के दूसरी ओर ले जाना."

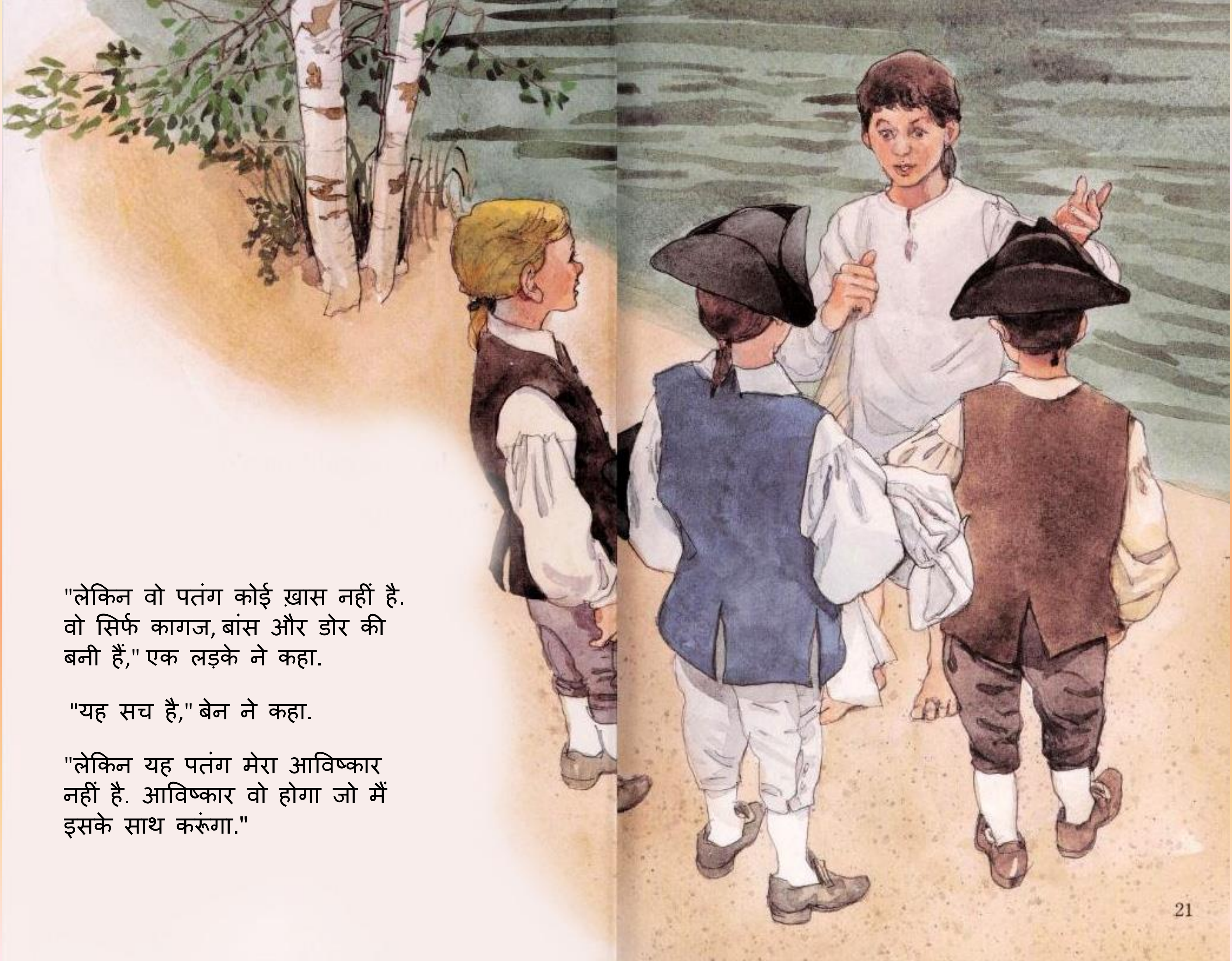
"लेकिन तुम क्या करने जा रहे हो?" दूसरे लड़कों से पूछा.

"क्या तुम तैरते समय पतंग ढोओगे?"

"नहीं," बेन ने कहा.

"आज वो पतंग मुझे ढोकर ले जाएगी."

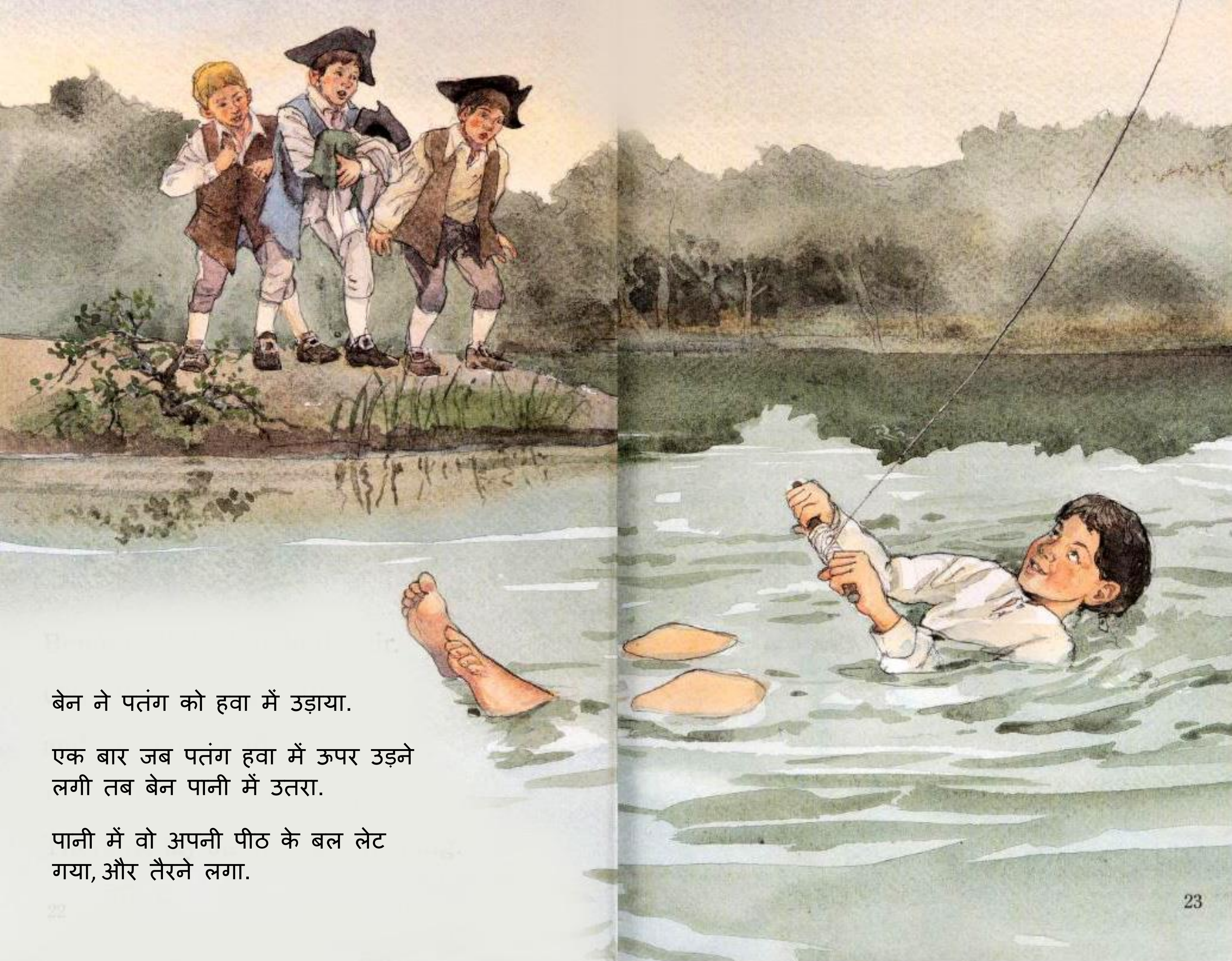




"लेकिन वो पतंग कोई ख़ास नहीं है. वो सिर्फ कागज, बांस और डोर की बनी हैं," एक लड़के ने कहा.

"यह सच है," बेन ने कहा.

"लेकिन यह पतंग मेरा आविष्कार नहीं है. आविष्कार वो होगा जो मैं इसके साथ करूंगा."

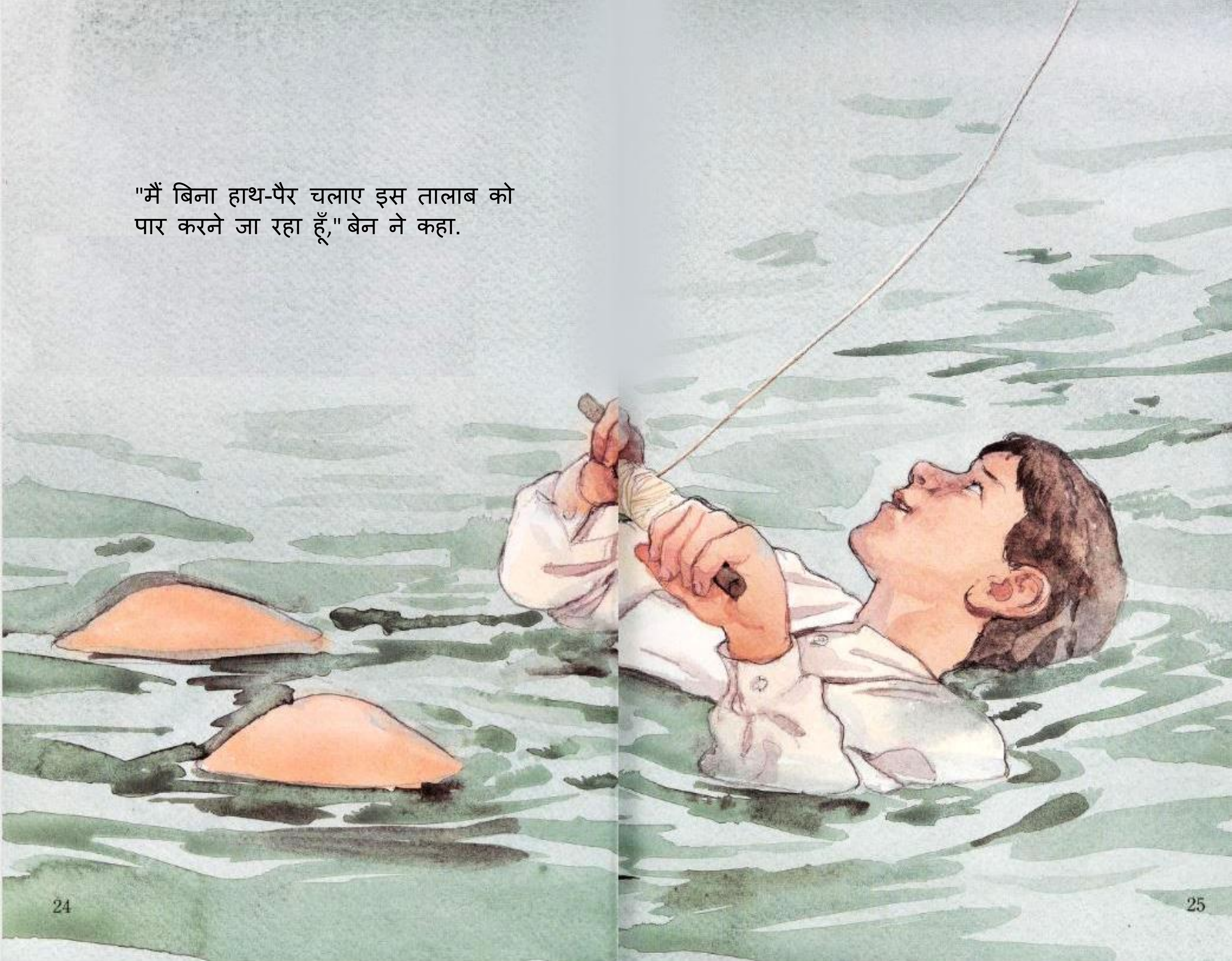


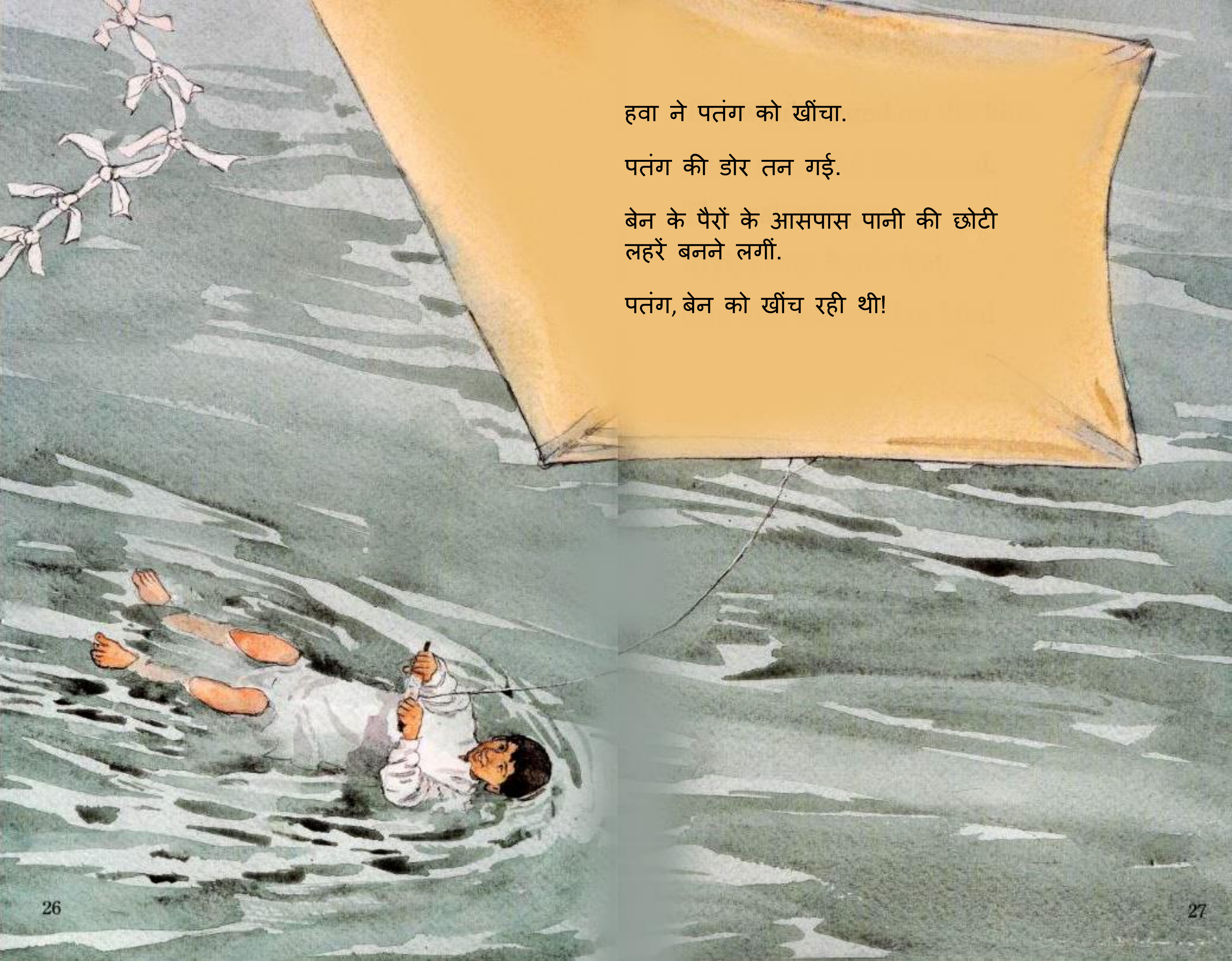
बेन ने पतंग को हवा में उड़ाया.

एक बार जब पतंग हवा में ऊपर उड़ने लगी तब बेन पानी में उतरा.

पानी में वो अपनी पीठ के बल लेट गया, और तैरने लगा.

"मैं बिना हाथ-पैर चलाए इस तालाब को पार करने जा रहा हूँ," बेन ने कहा.





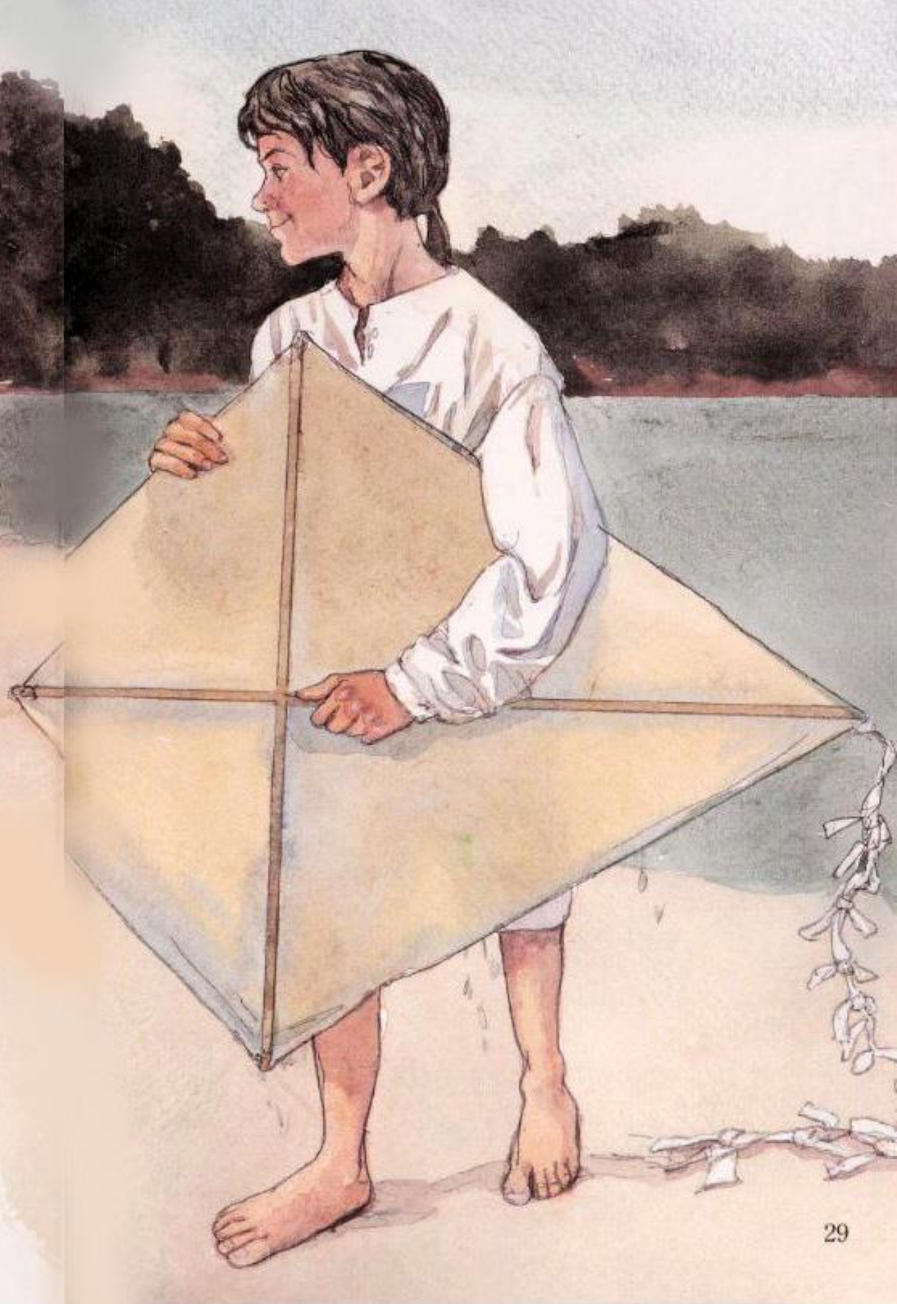
हवा ने पतंग को खींचा.

पतंग की डोर तन गई.

बेन के पैरों के आसपास पानी की छोटी लहरें बनने लगीं.

पतंग, बेन को खींच रही थी!





बेन को तालाब को इस तरह पार करते देखकर लड़के ख़ुशी से चिल्लाए.

अंत में बेन तालाब की दूसरी ओर पहुंच गया.

वहां उससे अन्य लड़के मिले.

"वो एकदम अद्भुत था!" एक ने कहा.

"तुमने बिना हाथ-पैर चलाए पूरे तालाब को पार कर लिया," दूसरे ने कहा.



"तुम आगे क्या करोगे?" उन्होंने पूछा.

"कोई और आविष्कार?"

"कोई अलग प्रयोग?"

बेन को तब पता नहीं था.

लेकिन उसे यकीन था कि वो जल्द ही
कुछ नया ज़रूर सोचेगा.



यह किताब बेंजामिन फ्रैंकलिन की कहानी पर आधारित है.

नीचे दी गई समय-रेखा उनके जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को दर्शाती है.

1706 - 17 जनवरी को जन्मे, सत्रह बच्चों में से पंद्रहवें

1716 - 10 साल की उम्र में अपने पिता के मोमबत्तियों के कारखाने में काम किया

1718 - अपने भाई जेम्स के चेले (अपरेंटिस) बने

1723 - बोस्टन से भागकर फिलाडेल्फिया गए

1729 - "पेंसिल्वेनिया गैज़ेट" अखबार खरीदा

1730 - डेबोरा रीड से शादी की (बाद में तीन बच्चे हुए)

1732 - "पुअर रिचर्ड अल्मनाक" पंचांग छापना शुरू किया

1740 - पेन्सिलवेनिया चिमनी का आविष्कार किया, जो बाद में "फ्रैंकलिन स्टोव" के नाम से मशहूर हुआ

1752 - बारिश में पतंग उड़ाई और यह दिखाया कि आसमान में कड़कती बिजली भी, विद्‍युत् का ही एक रूप थी

1775 - सेकंड कॉन्टिनेंटल कांग्रेस में शामिल हुए

1776 - स्वतंत्रता-घोषणा का मसौदा तैयार किया

1776 - फ्रांस में अमेरिकी प्रतिनिधि बने, 1783 पेरिस संधि में मदद की

1790 - 17 अप्रैल को फिलाडेल्फिया में मृत्यु